पढ़े चलो, बढ़े चलो
RASHTRIYA MADHYAMIK SHIKSHA ABHIYAN

लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र. भोपाल द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी प्रश्न बैंक का सम्पूर्ण हल

GBI®
The Original Since 1956
NARESH GUPTA GROUP

2 in 1
प्रश्न बैंक, मॉडल पेपर

प्रश्न बैंक

(रेमेडियल माड्यूल के प्रश्न–उत्तर सहित)

उत्तर सहित

संस्कृत

मॉडल पेपर सहित

कक्षा 9

www.sdlpre.com 7247690153

GBI®
The Original Since 1956
गुप्ता बुक इण्डस्ट्रीज़ प्रा. लि. इन्दौर

www.sdlpre.com 7247690153

लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र. द्वारा जारी प्रश्न बैंक

प्रश्न बैंक

संस्कृत -9वीं

2023

पढ़े चलो, बढ़े चलो

ब्लू प्रिंट (प्रश्न-पत्र का स्वरूप)

समय : 3 घंटे] संस्कृत-9 [पूर्णांक : 75

क्र.	इकाई एवं विषय वस्तु	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल प्रश्न
			1 अंक	अंक 2	अंक 3	अंक 4	अंक 5	
1.	शब्दरुपाणि +अव्यया:	4+2	06	-	-	-	-	01
2.	धातुरूपाणि + उपसर्गा:	4+2	06	-	-	-	-	01
3.	सन्धय: + समासा:	3+3	06	-	-	-	-	01
4.	प्रत्यया: + एकपदेन प्रश्नोत्तराणि	3+3	06	-	-	-	-	01
5.	विशेषण/विशेष्यं + पर्यायशब्दा: + विलोमशब्दा:	2+2+2	06	-	-	-	-	01
6.	पाठंगतप्रश्नोत्तराणि	10	-	05	-	-	-	05
7.	प्रश्ननिर्माणम्	02	-	01	-	-	-	01
8.	क: क प्रति कथयंति	02	-	01	-	-	-	01
9.	वाच्यपरिवर्तनम्	02	-	01	-	-	-	01
10.	श्लोककण्ठस्थीकरणम् (पाठ्यपुस्कातु)	02	-	01	-	-	-	01
11.	अशुद्धकारकसंशोधनम्	02	-	01	-	-	-	01
12.	पाठगतरिक्तस्थानपूर्ति	½ x 4=02	-	01	-	-	-	01
13.	पाठाधारित कथाक्रमसंयोजनम्	½ x 4=02	-	01	-	-	-	01
14.	गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकप्रश्नानि	03	-	-	01	-	-	01
15.	पद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकप्रश्नानि	03	-	-	01	-	-	01
16.	नाट्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकप्रश्नानि	03	-	-	01	-	-	01
17.	अपठितगद्यांशम्	04	-	-	-	01	-	01
18.	पत्रम् /आवेदनपत्रलेखनम्	04	-	-	-	01	-	01
18.	निबन्धलेखनम्	04	-	-	-	01	-	01
	योग:	75	30	24	09	12	-	23

www.sdlpre.com 7247690153

प्रश्न पत्र निर्माण हेतु विशेष निर्देश-

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक 30 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। सही विकल्प 06 अंक, रिक्त स्थान 06 अंक, सही जोड़ी 06 अंक, एक वाक्य मे उत्तर 06 अंक, सत्य असत्य 06 अंक, संबंधी प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक निर्धारित है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नो मे आंतरिक विकल्प का प्रावधान होगा। यह विकल्प समान इकाई/उप इकाई से तथा समान कठिनाई स्तर वाले होंगे। इन प्रश्नो की उत्तर सीमा निम्नानुसार होगी-

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न	02 अंक	लगभग 30 शब्द
लघुउत्तरीय प्रश्न	03 अंक	लगभग 75 शब्द
विश्लेषणात्मक	04 अंक	लगभग 120 शब्द

2. 40 प्रतिशत वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 40 प्रतिशत पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रश्न, 20 प्रतिशत विश्लेषणात्मक प्रश्न होंगे।
3. सत्र 2022-23 हेतु कम किये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पत्र में प्रश्न न दिये जाये।

कक्षा-9वीं

विषय- संस्कृत

कम किए गए पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

क्र.	पुस्तक/विषय वस्तु का नाम	अध्याय	कम किये गये अध्याय/विषय वस्तु का नाम
1	शेमुषी (भाग-1)	4	प्रत्यभिज्ञानम्
2.		10	कल्पतरु
3.		12	लौहतुला:

संस्कृत 9 का प्रश्न बैंक लोक शिक्षण संचालनाय द्वारा 2021-22 का ही अपलोड किया है। प्रकाशक द्वारा नई व्यू प्रिंट के आधार पर संशोधन कर 2022-23 की वार्षिक परीक्षा हेतु जोड़े गए अध्याय के प्रश्न जोड़ दिए गए हैं।

www.sdlpre.com 7247690153

माध्यमिक शिक्षा मण्डल (म.प्र.) भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा हेतु

संस्कृतम्

प्रश्नपत्रम् 2023

समय : 3 घण्टे] **कक्षा-नवमी** **[पूर्णांक : 75**

निर्देश :-

प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक 30 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। सही विकल्प 06 अंक, रिक्त स्थान 06 अंक, सही जोड़ी 06 अंक, एक वाक्य में उत्तर 06 अंक, सत्य असत्य 06 अंक, संबंधी प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का प्रावधान होगा। इन प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार होगी-

प्र. क्र. (6-17)	अतिलघुत्तरीय प्रश्न	02 अंक	लगभग 30 शब्द	12 × 2 = 24 अंक
प्र. क्र. (18-20)	लघुउत्तरीय प्रश्न	03 अंक	लगभग 75 शब्द	3 × 3 = 09 अंक
प्र. क्र. (21-23)	विश्लेषणात्मक	04 अंक	लगभग 120 शब्द	3 × 4 = 12 अंक के पूछे जाएंगे।

प्रश्न 1. उचित विकल्पं चित्वा लिखत - (कोई) (छ)

(क) 'नद्याः आस्वाद्यतोयाः अपश्यत् प्रवहन्ति सर्वत्र' पदे किम् विशेषणं अस्ति-

(अ) नद्याः (ब) आस्वाद्यतोया

(स) प्रवहन्ति (द) सर्वत्र

(ख) 'क्तवतु' प्रत्ययस्य उदाहरणम् अस्ति-

(अ) पठितवान् (ब) पठितव्यम्

(स) पठितुम् (द) पठनीयम्।

(ग) मम मनः जल इव चञ्चलः' पदे विशेष्य पदं किम् -

(अ) मनः (ब) जल

(स) इव (द) चञ्चलः।

(घ) 'क्रीडित्वा' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति–

(अ) क्तिन् (ब) क्तवतु

(स) तुमुन् (द) क्तवा

(ङ) 'बालः पलायमानं श्वानं अपश्यत्' पदे विशेषणं किम् अस्ति-

(अ) श्वानं (ब) बालः

(स) अपश्यत् (द) पलायमानं ।

(छ) 'बालिका' पदे प्रत्ययः अस्ति-

(अ) आप् (ब) जाप्

(स) टाप् (द) ङाप्

www.sdlpre.com 7247690153

(च) 'एक: विचित्र: काक: अपश्यत्' पदे विशेष्यं किम् अस्ति-

(अ) एक: (ब) विचित्र:

(स) काक (द) अपश्यत् ।

उत्तर- (क) (अ), (ख) (ब), (ग) (स), (घ) (स), (ङ) (द), (च) (स)।

प्रश्न 2. उचित विकल्पं चित्वा लिखत-

(क) 'सेवते' इत्यस्मिन् पदे पुरुष: अस्ति-

(अ) उत्तम पुरुष: (ब) मध्यम पुरुष:

(स) अन्य पुरुष: (द) महा पुरुष:।

(ख) 'पास्यामि' अस्मिन् पदे लकार: अस्ति-

(अ) लट्लकार: (ब) लङ्लकार:

(स) लृट्लकार: (द) लोट्लकार:।

(ग) सन्ति इत्यस्मिन् पदे वचनम् अस्ति–

(अ) एकवचनम् (ब) द्विवचनम्

(स) बहुवचनम् (द) मधुवचनम्

(घ) 'अद्य अधिकं शैत्यं वर्तति इत्यस्मिन् वाक्ये अव्ययम् अस्ति-

(अ) अधिकम् (ब) शैत्यम्

(स) अद्य (द) वर्तति।

(ङ) अधोलिखितेषु अव्ययं नास्ति-

(अ) नूनम् (ब) खलु

(स) हस् (द) सर्वत्र

(च) 'तौ विद्यालय आगच्छत:' इत्यस्मिन् वाक्ये सर्वनाम पदे किम् -

(अ) विद्यालयं (ब) आगच्छत:

(स) तौ। (द) न कोऽपि।

उत्तर– (क) (स), (ख) (स), (ग) (स),

प्रश्न 3. उचित विकल्पं चित्वा लिखत-

(क) 'सुपुत्र:' पदे उपसर्ग: अस्ति-

(अ) सुपु (ब) त्र:

(स) सु (द) सम्।

(ख) 'उपहार:' इत्यस्मिन् पदे उपसर्ग: अस्ति–

(अ) उप (ब) उत्

(स) हार (द) उ

www.sdlpre.com 7247690153

(ग) अधोलिखितेषु षष्ठी विभक्तिं शब्दः अस्ति–

(अ) बालके (ब) बालकम्

(स) बालकयोः (द) बालकाद

(घ) 'जनकेन' इत्यस्मिन् शब्दे विभक्तिः अस्ति-

(अ) प्रथमा (ब) तृतीया

(स) चतुर्थी (द) पञ्चमी।

(ङ) 'युवाभ्याम्' इत्यस्मिन् पदे वचनम् अस्ति-

(अ) एकवचनम् (ब) मृदुवचनम्

(स) द्विवचनम् (द) बहुवचनम्।

(च) अधोलिखितेषु संज्ञापदं नास्ति-

(अ) पठ् (ब) पुस्तकं

(स) बालकः (द) व्यंजनम्

उत्तर- (क) (स), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (ब), (ङ) (स), (च) (अ)।

प्रश्न 4. एकपदेन उत्तराणि लिखत-

(क) वित्ततः क्षीणः कीदृशः भवति ?

(ख) चटकः कस्य शाखायां नीडं रचयति ?

(ग) नीरसः शब्दस्य विलोम पदं लिखत।

(घ) 'अधः शब्दस्य विलोमपदं लिखत।

(ङ) भ्रमरः शब्दस्य पर्यायवाची शब्दः कः ?

(च) मानवः कुत्र सुरक्षितः तिष्ठति ?

(ख) तीरे शब्दस्य पर्यायः किम् अस्ति ?

उत्तर- (क) अक्षीणः, (ख) वट वृक्षस्य, (ग) सरस, (घ) ऊर्ध्वः, (ङ) मधुकर, (च) पर्यावरणकुक्षौ, (छ) तटे।

प्रश्न 5. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु षट् प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां एक वाक्येन लिखत- 6

1. कः तन्द्रालुः भवति ?
2. प्रकृतेः प्रमुखतत्वानि कानि कानि सन्ति ?
3. बालः कदा क्रीडितुं अगच्छत् ?
4. पुरुषः सिकताभि किं करोति ?
5. विवदमानौ तौ द्वावपि कुत्र गतौ ?
6. बालकः कीदृशः चटकम् अपश्यत् ?
7. जन्तवः के विधिना तुष्यन्ति ?

www.sdlpre.com 7247690153

८. कालः कस्य रसं पिबति ?

प्रश्न 6. प्रदत्तः शब्दैः रिक्तस्थान पूरयत्- (कोऽपि त्रीणि)

(अन्नमयं पादपे, पर्वतेभ्य, पापात्)

1. ललित-पल्लवे...........पुष्पपुजे ।
2. नद्यः............निस्सरन्ति।
3. प्रभु भक्तं ....निवारयति ।
4. मनः ....भवति।

प्रश्न 7. अधोलिखितेषु अशुद्ध वाक्येषु द्वयः वाक्यं शुद्धिं कुरुत-

1. ते अत्र स्मः
2. शिशुः क्रीडतः।
3. ते युवां च पठय

प्रश्न 8. अधोलिखितेषु वाक्येषु रेखांकितपदमावृत्य वाक्योंदयो प्रश्ननिर्माणं कुरुतः-

1. वनवृक्षाः निर्विवेकं छिद्यन्ते।
2. प्रकृति जीवनसुखं प्रददाति।
3. पर्यावरण रक्षणं धर्मस्य अङ्गम् अस्ति।

प्रश्न 9. कः कम् प्रति कथयति, उत्तरत्-(कोऽपि द्वयः)

1. भीः महाशय! किमिदं विधीयते।
2. हा विधे! किमिदं मया कृतम् ?
3. सखिभिः सा न मया सहः।

प्रश्न 10. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्देशानुसार दीयताम् – (कोऽपि द्वयः)

1. अच् प्रत्याहारे कति स्वराः सन्ति ?
2. 'क' वर्णस्य उच्चारणम् स्थानं लिखत ॥
3. 'त' वर्णस्य उच्चारणम् स्थानं कः अस्ति ?

प्रश्न 11. अधोलिखितेषु गद्यांशं सम्यक् पठित्वा त्रयाणाम् प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां लिखत-

अतएव प्रकृतिरस्माभिः रक्षणीया तेन च पर्यावरणं रक्षितं भविष्यति। प्राचीनकाले लोकमङ्गलाशंसिन ऋषयो वने निवसन्ति स्म। यतोहि बने एवं सुरक्षितं पर्यावरणमुपलभ्यते स्म । विविधा विहगाः कलकुजितस्तत्र श्रोतरसायनं ददति। सरितो गिरिनिर्झराश्च अमृतस्वादु निर्मलं जलं प्रयच्छन्ति । वृक्षा लताश्च फलानि पुष्पाणि इन्धनकाष्ठानि च बाहुल्येन समुपहरन्ति शीतलमन्दसुगन्धवनपवना औषधकल्पं प्राणवायुं वितरन्ति ।

प्रश्नाः- 1. प्रकृतिः काभिः रक्षणीया ?

2. शीतल मन्द सुगन्ध वनपवना औषधकल्पं किं वितरन्ति ?

www.solpre.com 7247690153

3. सरित: गिरि निर्झराश्च अमृतस्वादुं निर्मलं कि प्रयच्छन्ति ?

4. पर्यावरणम्' अस्य पदस्य क: सन्धिविच्छेद: वर्तते ?

प्रश्न 12. अधोलिखितेषु पद्यांशं सम्यक् पठित्वा त्रयाणाम् प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां लिखत-

पिबन्ति नद्य: स्वयमेव नाम्भ: स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षा: ॥

नादन्ति सस्यं खलु वारिवाहा: । परोपकाराय सतां विभूतय: ॥

प्रश्ना:- 1. का: स्वयमेव अम्भ: न पिबन्ति ?

2. केषां विभूतय: परोपकाराय भवन्ति ?

3. वारिवाहा: स्वयं किं न अदन्ति ?

4. नाम्भ: अस्मिन् पदे का सन्धि: वाति ?

प्रश्न 13. 'पठ्' धातो: लृटलकार, उत्त्रम पुरुषस्य एक वचनम् रूपं किं अस्ति।

प्रश्न 14. अधोलिखितं नाट्यांशं सम्यक् पठित्वा त्रयाणाम् प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां लिखत–

चन्दन:- अहा सुगन्धस्तु मनोहर: (विलोक्य) अये मोदकानि रच्यन्ते ? (प्रसन्न: भूत्वा) आस्वादयामि तावत् । (मोदकं गृहीतुमिच्छति)

मल्लिका – सक्रोधम्) विरम विरम मा स्पृश। एतानि मोदकानि ।

चन्दन: किमर्थं क्रुध्यसि तव हस्तनिर्मितानि मोदकानि दृष्ट्वा अहं जिह्वालोलुपतां वितुम् अक्षम: अस्मि, किं न जानासि त्वमिदम् ?

मल्लिका – सम्यग् जानामि नाथ। परम् एतानि मोदकानि पूजानिमित्तानि सन्ति ।

चन्दन: तर्हि, शीघ्रमेव पूजनं सम्पादय । प्रसादं च देहि। मल्लिका भो! अत्र पूजनं न भविष्यति। अहं स्वसखिभि: सह श्व: प्रात: काशीविश्वनाथमन्दिरं प्रति गमिष्यामि, तत्र गङ्गास्नानं धर्मयात्राञ्च वयं करिष्याम:।

चन्दन:- सखिभि: सह। न मया सह (विषादं नाटयति)

प्रश्ना:- 1. मल्लिका पूजार्थं किं सह गच्छति ?

2. मल्लिका प्रात: कुत्र गच्छति ?

3. शीघ्रमेव पूजनं सम्पादय इति क: वदति ?

4. 'दृष्ट्वा' इत्यस्य पदस्य का धातु: अस्ति ?

प्रश्न 15. अस्मिन् प्रश्नपत्रे समागतान् श्लोकान् विहाय स्वपाठ्यपुस्तकात् कण्ठस्थीकृतं द्वयं श्लोक: लिखत।

प्रश्न 16. दण्डशुल्क क्षमापनार्थं प्राचार्य प्रति प्रार्थना पत्र लिखत।

www.sdlore.com 7247690153

अथवा

भवान् सुमितः। बालाघाट नगरे संस्कृतमहाविद्यालये पठति। विद्यालयविकासशुल्कस्य क्षमापनार्थम् प्राचार्यं प्रति लिखत-

प्रश्न 17. अधोलिखितं अपठितं गद्यांशं सम्यक् पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां लिखत

जनानां लोकानां वा तंत्र शासनं जनतन्त्र वा कथ्यते। लोकतन्त्रे जनानां कल्याणम् एवं शासनस्य प्रमुख कार्यं मन्यते। अत्र प्रत्येकस्य जनस्य एव महत्वम्। भाषणे लेखने च अत्र पूर्णं स्वातन्त्र्य भवति व्यवहारे केचन दोषाः अपि दृश्यन्ते। एतेषां दोषाणां दूरीकरणम् अनिवार्यम् एतदर्थं सर्वेभ्यः शिक्षा अनिवार्या शिक्षां बिना लोकतंत्र सुरक्षितं न भवति।

प्रश्नाः-

1. लोकतन्त्रे केषां कल्याणम् शासनस्य प्रमुख कार्यं भवति ?
2. लोकतन्त्रे दोषान् दूरीकर्तुं किम् अनिवार्यम् अस्ति ?
3. लोकतन्त्रे कस्य महत्वं प्रमुखम् अस्ति ?
4. गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकं लिखत

प्रश्न 18. अधोलिखितेषु विषयेषु एकं विषयं चित्वा शतशब्देषु संस्कृतभाषायाम् निबन्धं लिखत-

1. सत्संगतिः,
2. संस्कृतभाषा महत्वम्,
3. सदाचारः,
4. अस्माकं विद्यालयः।

www.sdlpre.com 7247690153

नवीन ब्लू प्रिंट हाईस्कूल परीक्षा 2023

विषय :- संस्कृतम् (सामान्य)

इकाई-1

1. प्रत्ययं/ विशेषणम्/ विशेष्यम् उचित विकल्पं चित्वा लिखत्-

(1) 'हसन्' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति-

(अ) क्तवा (ब) शतृ

(स) ल्यप् (द) शानच्।

(2) 'पठित्वा' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति-

(अ) क्तवतु (ब) क्त्वा

(स) तुमुन् (द) क्तः।

(3) 'विहाय' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति-

(अ) तुमुन् (ब) ल्यप्

(स) क्तिन् (द) शानच्

(4) 'पातुम्' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति-

(अ) क्त्वा (ब) क्तवतु

(स) शतृ (द) तुमुन्

(5) 'बाला' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति-

(अ) टाप् (ब) डाप्

(स) चाप् (द) आप्

(6) 'गतवान्' इत्यस्मिन् पदे प्रत्ययः अस्ति-

(अ) क्त (ब) क्तवतु

(स) क्त्वा (द) शतृ

(7) प्रियः पुत्रः आसीत् इत्यस्मिन् पदे विशेषणं पदं अस्ति-

(अ) प्रियः (ब) पुत्रः

(स) आसीत् (द) कोऽपि नास्ति

(8) मध्यमा अङ्गुलि इत्यस्मिन् पदे विशेषणं पदं अस्ति-

(अ) मध्यमा (ब) अङ्गुलि

(स) पदे (द) कोऽपिनास्ति

www.sdlpre.com 7247690153

(9) सीता पतिव्रता पत्नी आसीत् इत्यस्मिन् वाक्ये विशेषणपदं अस्ति-

(अ) सीता (ब) पतिव्रता

(स) आसीत् (द) पत्नी

(10) 'चक्षुषि भास्करे ततो' इत्यस्मिन् पदे विशेषण पदं अस्ति-

(अ) चक्षुषि (ब) भास्करे

(स) तटो (द) कोऽपि न

(11) 'मतिमाननीयां शोभाम्' इत्यस्मिन् पदे विशेषण पदं अस्ति-

(अ) मति (ब) माननीयां

(स) शोभाम् (द) मतिमाननीयां

(12) 'रूपं प्रसिद्धं न' इत्यस्मिन् पदे विशेष्य पदं अस्ति-

(अ) रुपं (ब) प्रसिद्धं

(स) न (द) सर्वा:

(13) 'जीमूतवाहनः दानवीरः राजा आसीत्' इत्यस्मिन् वाक्ये विशेष्य पदं किम?

(अ) जीमूतवाहन: (ब) दानवीर:

(स) राजा (द) सर्वा:

(14) 'हितैषिभिः मंत्रिभिः' इत्यस्मिन् पदे विशेष्य पदं अस्ति-

(अ) हितैषिभि: (ब) सर्वा:

(स) मंत्रिभि: (द) कोऽपि न

15. 'अहम् दीर्घाम् कथाम् पठामि' इत्यस्मिन् वाक्ये विशेष्य पदम् किम्?

(अ) अहम् (ब) दीर्घाम्

(स) कथाम् (द) पठामि

आदर्श उत्तरम्- (1) शतृ, (2) क्त्वा, (3) ल्यप्, (4) तुमुन्, (5) टाप्, (6) क्तवतु, (7) प्रिय:, (8) मध्यमा, (9) पतिव्रता, (10) चक्षुषि, (11) मतिमाननीयाम्, (12) रुपं, (13) जीमूतवाहन:, (14) मन्त्रिभि:, (15) दीर्घाम्

इकाई-2

रिक्तस्थानानि पूरयत्-

(1) 'धेनु' इत्यस्य पर्याय पदं..................(वृषभ:/गाव:)

(2) 'रात्रि' इत्यस्य पर्याय पदं......................। (नृप:/निशा)

(3) 'विमुच्य इत्यस्य पर्याय पदं......................। (परित्यज्य/ अपरिहार्य)

(4) 'इन्द्र:' इत्यस्य पर्याय पदं.....................। (शक्र:/नगेन्द्र:)

www.sdlpre.com 7247690153

(5) 'शरीरं' इत्यस्य पर्याय पदं......................। (वक्रं/ गात्रं)

(6) 'भानुः' इत्यस्य पर्याय पदं......................। (शशि/सूर्यः)

(7) 'वनं' इत्यस्य पर्याय पदं......................। (काननम्/गहनं)

(8) 'विजयः' इत्यस्य विलोम पदं......................। (अजयः/ पराजयः)

(9) 'उपकारः' इत्यस्य विलोम पदं......................। (अपकारः/उत्थानः)

(10) 'अन्धकारः' इत्यस्य विलोम पदं......................। (प्रकाशः/तमः)

(11) आचार्यः कम् अनुशास्ति......................। (प्रभाकरम्/अन्तेवासिनम्)

(12) स्वजनः कुत्र प्रहरति......................। (हृदये/अरिः)

(13) लौहतुला पाठः अस्ति......................। (पञ्चरात्रम्/तन्त्ररात्रम्)

(14) षणिक्पुत्रस्य नाम किम्......................। (जीर्णधनो/शीर्षधनो)

(15) कः प्रियः अपि त्याज्यः......................। (सज्जनः/दुष्टः)

आदर्श उत्तरम्- (1) गावः, (2) निशा, (3) परित्याज्य, (4) शक्रः, (5) गात्रं, (6) सूर्यः, (7) काननम्, (8) पराजयः, (9) अपकारः, (10) प्रकाशः, (11) अन्तेवासिनम्, (12) हृदये, (13) पञ्चरात्रम्, (14) जीर्णधनो, (15) दुष्टः।

इकाई-3

शब्दरूपाणि/उपसर्ग/संज्ञा पदस्य युग्ममेलनम् कुरुत-

'अ'	'ब'
(1) रामस्य	तृतीया एकवचनम्
(2) फलानाम्	उप
(3) लतायै:	चतुर्थी, एकवचनम्
(4) कवौ	सप्तमी, एकवचनम्
(5) भानुना	सु
(6) सुपुत्रम्	अनु
(7) अनुगच्छन्	प्रति
(8) नदीः	पदम्
(9) उपकरोति	द्वितीया बहुवचनम्
(10) प्रत्यागच्छति	आदेश
(11) शत्रुवदादेशः	उपधा
(12) अलोऽन्यात्	षष्ठी एकवचनम्
(13) सुप्तिऽन्तं	षष्ठी बहुवचनम्

www.sdlpre.com 7247690153

(14) वाक् + ईशः	सम्प्रसारणम्
(15) य,व,र,ल	संहिता

आदर्श उत्तरम्-

'अ'	**'ब'**
(1) रामस्य	षष्ठी, एकवचनम्
(2) फलानाम्	षष्ठी, बहुवचनम्
(3) लतायैः	चतुर्थी, एकवचनम्
(4) कवौ	सप्तमी, एकवचनम्
(5) भानुना	तृतीया, एकवचनम्
(6) सुपुत्रम्	सु
(7) अनुगच्छन्	अनु
(8) नदीः	द्वितीया, बहुवचनम्
(9) उपकरोति	उप
(10) प्रत्यागच्छति	प्रति
(11) शत्रुवदादेशः	आदेशः
(12) अलोऽन्त्यात्	उपधा
(13) सुप्तिङन्तं	पदम्
(14) वाक् + ईशः	संहिता
(15) य,व,र,ल	सम्प्रसारणम्

इकाई-4

धातु रुपाणि/संधिः एकवाक्येन् उत्तरत-

1. 'पठ्' धातोः लृट्लकारः, उत्तमपुरुषस्य, एकवचनम् रूपं कि अस्ति?
2. 'वद्' धातोः लोट्लकारस्य, मध्यम पुरुषस्य बहुवचनस्य रुपं किम् अस्ति?
3. 'गम' धातोः लङ्लकारस्य, प्रथमपुरुषस्य, एकवचनस्यरुमं कि अस्ति?
4. 'हस धातोः लट्लकारस्य, उत्तमपुरुषस्य, द्विवचनम्, रुपं लिखत् ।
5. 'अस्' धातोः विधिलिङ्गलकारस्य, मध्यमपुरुषस्य, एकवचनस्य रुपं लिखत् ।
6. 'रामः धावति' इत्यस्मिन् वाक्ये कः धातुः अस्ति?
7. गच्छति क्रियापदे कः धातु अस्ति?
8. 'अहमपि आपणं गच्छमि' वाक्ये अव्ययं किम् अस्ति?
9. 'विद्या माता इव आसीत्' अस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम् अस्ति?
10. 'बालकः अधुना पठति' इत्यस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम्?

www.sdlpre.com 7247690153

11. 'धनं विना जीवनं वृथा भवति' इत्यस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम्?

12. 'अथ रामायण कथा आरभ्यते' इत्यस्मिन् वाक्ये अव्ययं पदं किम्?

13. द्वे अव्ययं पदं लिखत्।

14. 'कोलाहलं मा कुरु' इत्यस्मिन् वाक्ये अव्ययं पदं किम्?

15. 'गजः शनैः शनैः चलति' इत्यस्मिन् वाक्ये अव्यय पदं किम्?

आदर्श उत्तरम्- 1. वदिष्यामि, 2. वदत, 3. गच्छेत्, 4. हसावः 5, भवेः, 6. धाव् धातु, 7. गम् धातुः, 8. अपि, 9. इव, 10. अधुना, 11. विना, वृथा, 132. अथ, 13. सहसा, यद्यपि, 14. मा, 15. शनैः शनैः ।

इकाई-5

शुद्धवाक्यानां समक्षे 'आम्' अशुद्ध वाक्यानां समक्षे 'न' लिखत् -

1. 'नास्ति' इत्यस्मिन् पदे व्यञ्जन सन्धिः अस्ति।
2. दीर्घ सन्धेः उदाहरणं मनोहरः अस्ति।
3. सुरेशः यण सन्धे उदाहरणं अस्ति।
4. सदैव वृद्धि सन्धे उदाहरणं वर्तते।
5. 'तत् + लीनः' तोल्लीनः अस्ति।
6. 'महा + औषधिः' महौषधिः अस्ति।
7. 'मनः + हरः' विसर्ग सन्धि अस्ति।
8. अन्य पद प्रधानः बहुव्रीहि समासः अस्ति।
9. राज्ञः पुरुषः इति पदे द्विगु समास अस्ति।
10. 'शक्तिम् अनतिक्रम्य' अव्ययीभाव समास अस्ति।
11. पीतं अम्बरम् यस्य सः पीतोम्बरः अस्ति।
12. पाणि च पादौ च एषां समाहारः पाणीपादम् अस्ति।
13. समासः षड् भवन्ति।
14. घनश्याम इति पदे कर्मधारय समासः वर्त्तते।
15. सुभद्रम् पदे अव्ययीभाव समास वर्तते।

आदर्श उत्तरम्- (1) न, (2) न, (3) न, (4) आम्, (5) न, (6) आम्, (7) आम्, (8) आम्, (9) न, (10) आम्, (11) न, (12) आम्, (13) आम्, (14) आम्, (15) आम्।

www.sdlpre.com 7247690153

इकाई-6 से 11-

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु उत्तराणि संस्कृतभाषायाम् लिखत्।

(1) कविः कां सम्बोधयति?

(2) स्वर्णकाकः काम् अखादंत्?

(3) जीमूतवाहनः कस्य पुत्रः आसीत्?

(4) के मधु संग्रह व्याघ्राः अभवन्?

(5) पुरुषः सिकताभि किं करोति?

(6) वित्ततः क्षीणः कीदृशः भवति?

(7) कवि कीदृशी वीणां निनादयितुम् प्रार्थयति?

(8) प्रकृतिः केषाम् संरक्षणाय यतते?

(9) मार्गभ्रान्तः सन्ध्यां कुत्र उपैति?

(10) बालः कदा क्रीडितुम् अगच्छत्?

(11) जीमूतवाहनः कीदृशः आसीत्?

(12) सज्जनानाम् मैत्री कीदृशी भवति?

(13) लोकरक्षा कथं सम्भवति?

(14) अनधीतः तपोदत्तः कैः गर्हितोऽभवत्?

(15) प्रकृतेः प्रमुख तत्वानि कानि सन्ति?

(16) आरूणे मतानुसारं मनः कीदृशं भवति?

(17) कुत्र दरिद्रता न भवेत् ?

आदर्श उत्तरम्- (1) कविः वाणी सम्बोधयति।

(2) स्वर्णकाकः ताण्डूलान् अखादत्।

(3) जीमूतवाहनः जीमूतकेतुः पुत्रः आसीत्।

(4) मधुकराः मधु संग्रह व्याघ्राः अभवन्।

(5) पुरुषः सिकताभिः सेतुनिर्माणम् करोति।

(6) वित्ततः क्षीणः अक्षीणः भवति।

(7) कविः नवीनां वीणां निनादयितुम् प्रार्थयति।

(8) प्रकृतिः प्राणीनां संरक्षणाय यतते।

(9) मार्गभ्रान्तः सन्ध्यां गृहम् उपैति।

www.sdlpre.com 7247690153

(10) बाल: पाठशालागमनवेलायां क्रीडितुं अगच्छत्।

(11) जीमूतवाहन: महान् दानवीर: सर्वभूतानुकम्पी आसीत्।

(12) सज्जनानां मैत्री पुरा लघ्वी पश्चात् च बुद्धिमती भवति।

(13) प्रकृतिरक्षयैव लोकरक्षा संभवति।

(14) अनीधीत: तपोदत्त: कुटुम्बभि: मित्रै: ज्ञातिजनैश्च गर्हितोऽभवत्।

(15) पृथिवी, जलं, तेज, वायु, आकाशं प्रमुख तत्वानि सन्ति।

(16) आरूणें मतानुसारं मन: अन्नमयं भवति।

(17) प्रिय वाक्य प्रदानेन।

इकाई-12

(1) वर्ण परिचयै: देय:-

(1) (क) माहेश्वर सूत्राणि कति सन्ति?

(2) कादयोमावसान: कति वर्णा: आगच्छन्ति?

(3) स्वर: कतिधा भवन्ति?

(4) 'क' वर्गस्य उच्चारण स्थानं किम्?

(5) दीर्घ स्वर: कति भवन्ति?

(6) वर्ण: कतिध: भवन्ति?

(7) नासिका वर्ण: कति सन्ति?

(8) 'प' वर्णस्य उच्चारण स्थानं किम्?

(9) 'गज:' इति शब्दस्य वर्ण विच्छेदं कुरुत।

10. श् + ओ + भ् + अ + न् + म् वर्ण संयोजनं कुरु।

11. श, स, ष, ह कीदृश: वर्णा: सन्ति?

12. क + ष संयुक्ते व्यञ्जने किम् भवति?

13. इचुयशानां..................।

14. 'प' वर्गे कति वर्णा: आगच्छन्ति?

15. भाषाया: लघुत्तम् इकाई का अस्ति?

आदर्श उत्तरम्-(1) चतुर्दश:, (2) पञ्चविंशति:, (3) त्रय : स्वर:, (4) कण्ठ:, (5) चत्वार:, (6) द्वौ भेदा: (स्वर: व्यञ्जनश्च), (7) पञ्च वर्णा:, (8) ओष्ठ:, (9) ग् + अ + ज् + अ:, (10) शोभनम् (11) ऊष्म वर्णा:, (12) क्ष, (13) तालु, (14) पञ्च वर्णा:, (15) वर्ण:।

www.sdlpre.com 7247690153

इकाई-13

अधोलिखितानि कथनानि कः कं प्रति कथयति-

	कः कथयति?	कं प्रति कथपति?
(1) पूर्व प्रातरशः क्रियताम्।	....	....
(2) अहं तुभ्यम् ताण्डूलमूल्यं दास्यामि।	....	....
(3) धन्यवाद मातुलः याम्याधुना।	....	....
(4) पुत्रिके। न अहं पापकर्म करोमि।	....	....
(5) मूल्यं तु दुग्धं विक्रीयैव दातुम् शक्यते।	....	....
(6) हा! विधे! किमिदं मया कृतम्।	....	....
(7) ओ तपस्विन्। कथम् माम् उपरुणतसि।	....	....
(8) सिकताः जल प्रवाहे स्थास्यन्ति किम्?	....	....
(9) स्वामिन् ! प्रत्यागता अहं आस्वादय प्रसादम्।	....	....
(10) लाण्डूलान् मा भक्षय।	....	....

आदर्श उत्तरम्-

कः कथयति?	कं प्रति कथयति?
(1) स्वर्णकाकः	बालिकां प्रति
(2) काकः	बालिकां प्रति
(3) उमा	मातुलम् प्रति
(4) देवेश	मल्लिकाम् प्रति
(5) चन्दनः	देवेशम् प्रति
(6) तपोदत्तः	आत्मानम्
(7) पुरुषः	तपोदत्तम् प्रति
(8) तपोदत्तः	पुरुषं प्रति
(9) मल्लिका	चन्दनं प्रति
(10) बालिका	काकम् प्रति

इकाई-14

रेखांक्तितानि पदानि आधृत्य प्रश्न निर्माणम् कुरुत-

(1) <u>सूर्योदयात्</u> पूर्वमेव बालिका तत्रोपस्थिता।

www.sdlpre.com 7247690153

(2) लुब्धा वृद्धा स्वर्णकाकस्य रहस्यं ज्ञातवती।
(3) मल्लिका सखीभिः सह धर्मयात्रायै गच्छति स्म।
(4) मोदकानि पूजानिमित्तानि रचितानि आसन्।
(5) अयं तव सदा पूज्यः।
(6) धनदृष्ट्या कोऽपि दरिद्रः न तिष्ठत्।
(7) खलानां मैत्री आरम्भ गुर्वी भवति।
(8) चटकः स्वकर्मणि व्यग्रः आसीत्।
(9) तपोदत्तः तपश्चर्यया विद्यामातुम् प्रवृत्तोऽस्ति।
(10) गुरुगृहं गत्वैव विद्याभ्यासः करणीयः।

आदर्श उत्तरम्- (1) कस्मात् पूर्वमेव बालिका तत्रोपस्थिता?
(2) लुब्धा वृद्धा कस्य रहस्यं ज्ञातवति?
(3) मल्लिका काभिः सह धर्मयात्रायै गच्छति स्म ?
(4) कानि पूजानिमित्रानि रचितानि आसन् ?
(5) कः तव सदा पूज्यः ?
(6) कया कोऽपि दरिद्रः न तिष्ठत?
(7) केषाम् मैत्री आरम्भे गुर्वी भवति?
(8) चटकः कस्मिन् व्यग्रः आसीत् ?
(9) तपोदत्तः तपश्चर्यया विद्यामाप्तुं प्रवृत्तोऽस्ति?
(10) कुत्र गत्वैव विद्याभ्यासः करणीयः?

इकाई-15

अशुद्ध कारक संशोधनम् कुरुत्-

(1) रामः पुस्तकं पठसि।
(2) 'पास्यति' इत्यस्मिन् पदे लट्लकारः अस्ति।
(3) 'गच्छन्ति' इत्यस्मिन् पदे एकवचनम् अस्ति।
(4) रामेण पुस्तकं पठन्ति।
(5) सरस्वती नमः।
(6) वृक्षं पत्राणि पतन्ति।
(7) पिता पुत्रस्य सह गच्छति।
(8) बालकः कन्दुकं क्रीडति।
(9) छात्राः विद्यालयस्य आगच्छन्ति।

www.sdlpre.com 7247690153

(10) ते पुस्तकम् पठसि।

आदर्श- उत्तरम्

(1) रामः पुस्तकं पठति।

(2) 'पास्यति' इत्यस्मिन् पदे लृट्लकारः अस्ति।

(3) 'गच्छन्ति' इत्यस्मिन् पदे बहुवचनम् अस्ति।

(4) रामेण पुस्तकं पठ्यते।

(5) सरस्वत्यै नमः।

(6) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।

(7) पिता पुत्रेण सह गच्छति।

(8) बालकः कन्दुकेन क्रीडति।

(9) छात्राः विद्यालयात् आगच्छन्ति।

(10) ते पुस्तकानि पठन्ति।

इकाई-16

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां उत्तराणि संस्कृत भाषायां लिखत्-

गद्यांश (1) पुरा कस्मिश्चिद् ग्रामे एका निर्धना वृद्धा स्त्री न्यवसत्। तस्याः च एका दुहिता विनम्रा मनोहरा चासीत्। एकदा माता स्थाल्यां तन्दुलान् निक्षिप्य पुत्रीम् आदिशतन् सूर्यातापे तण्डूलान् खगेभ्यो रक्ष। किञ्चित् कालादनन्तरम् एको विचित्रः काकः समुड्डाय तस्याः समीपम् अगच्छत् नैतादृशः स्वर्णपक्षो रजतचञ्चु स्वर्णकाकस्तया पूर्व दृष्टाम् तं तण्डूलान् खादन्तं हसन्तञ्च विलोक्य बालिका रोदितु मारब्धान।

प्रश्नाः- (1) ग्रामे का न्यवसत्?

(2) दुहिता कीदृशा आसीत्?

(3) माता पुत्रीं किम् आदिशत्?

आदर्श उत्तर- (1) ग्रामे एका निर्धना वृद्धा च स्त्री न्यवसत्।

(2) दुहिता विनम्रा मनोहरा च आसीत्।

(3) माता स्थाल्यां तण्डुलान् निक्षिप्य पुत्रीम् आदिशत्।

गद्यांश (2) तस्य च गृहे लौहघटिता पूर्वपुरुषोपार्जिता तुला आसीत् तां च कस्यचित् श्रेष्ठिनो गृहे निक्षेपभूतां कृत्वा देशान्तरं प्रस्थितः। ततः सुचिरं कालं देशान्तरं यथेच्छया भ्रान्त्वा पुनः स्वपुरम् आगत्य तं श्रेष्ठिनम् अवदत्- "भो श्रेष्ठिन्" दीयतां में सा निक्षेपतुलं सोऽवदत- "भोः! नास्ति सा, त्वदीयां तुला मूषकैः भक्षिता।

www.solpre.com 7247690153

प्रश्ना:- (1) तुला कीदृशी आसीत्?

(2) तुला कै भक्षिता आसीत्?

(3) वणिकपुत्रः कुत्र प्रस्थितः?

आदर्श उत्तर-

(1) तुला लौहघटिता पूर्वपुरुषोपार्जिता आसीत्।

(2) तुला मूषकैः भक्षिता आसीत्।

(3) वणिकपुत्रः देशान्तरं प्रस्थिता।

गद्यांश (3) प्रकृतिः समेषां प्राणिनां संरक्षणाय यतते। इयं सर्वान् पुष्णानि विविधैः प्रकारैः सुखसाधनैः च तर्पयति। पृथिवी, जलम्, तेजः, वायुः आकाशः च अस्याः प्रमुखाणि तत्वानि। तान्येव मिलित्वा पृथक्तया वाऽस्माकं पर्यावरणं रचयन्ति। आव्रियते परितः समन्तात् लोकः अनेन इति पर्यावरणम्। यथा अजातशिशु मातृगर्भे सुरक्षितः तिष्ठति तथैव मानवः पर्यावरण कुक्षौ।

प्रश्नाः- (1) प्रकृति, केषाम् संरक्षणाय यतते?

(2) इयम् कान् पुष्णाति?

(3) अस्या प्रमुखानि तत्वानि कानि?

आदर्श उत्तरम्-

(1) प्रकृतिः समेषां प्राणिनां संरक्षणाय यतते।

(2) इयम् विविधैः प्रकारैः सखुसाधनैः च पुष्णाति।

(3) पृथिवी, जलम्, तेजः, वायुः आकाशः च अस्याः प्रमुखानि तत्वानि सन्ति।

गद्यांश (4) प्रतिनिवृत्तिकाले स्वर्णकाकेन कक्षाभ्यन्तरात्तिस्त्रो मञ्जुषाः तत्पुरः समुत्क्षिप्ताः लोभाविष्टा सा बृहत्तमां मञ्जूषाः गृहीतवती। गृहमागत्य सा तर्षिता यावद् मञ्जूषामुद्घाटयति तावत्तस्यां भीषणः कृष्णसर्पो विलोकितः। लुब्धया बालिकया लोभस्य फलं प्राप्तम् । तदन्तरं सा लोभं पर्यत्यजत् ।

प्रश्नाः- (1) बालिकया कस्यं फलं प्राप्तम् ?

(2) गृहम् आगत्य बालिका काम् उद्घाटयति?

(3) गर्विता बालिका मञ्जूषायाम् किम अपश्यत् ?

(4) सा किम पर्यत्यजत् ?

(5) तदन्तरं सा लोभं 'पर्यत्यजत्' अत्र अव्ययपदं किम अस्ति?

आदर्श उत्तर-

(1) लोभस्य, (2) मञ्जूषाम्, (3) भीषणं कृष्णसर्पम् अपश्यत्, (4) सा लोभं पर्यत्यजत्, (5) अनन्तरम्।

www.sdlpre.com 7247690153

इकाई-17

अधोलिखितेषु पद्यांशस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत भाषायां लिखत-

पद्यांश (1) वृत्तं यत्नेन संरक्षेद्, वित्तमेति च याति च

अक्षीणो: वित्त: क्षीणो वृत्तस्तु हतो हत:।।

प्रश्ना:- (1) किं यत्नेन संरक्षेद्?

(2) कस्मात् क्षीण: मानव: हत?

(3) कं एति याति च?

आदर्श उत्तरम्- (1) वृत्तं यत्नेन संरक्षेद्।

(2) वृत्तं क्षीण: मानव हत:।

(3) वित्तमेति च याति च।

पद्यांश (2) प्रिय वाक्य प्रदानेन, सर्वे तुष्यन्ति मानवा:।

तस्मात् तदैव हि वक्तव्यं, वचने च दरिद्रता।।

प्रश्ना:- (1) किं वक्तव्यम्?

(2) जन्तव: केन तुष्यन्ति?

(3) 'तस्मात्' इति पदे किं वचनम्?

आदर्श उत्तरम्- (1) प्रियं वक्तव्यम्।

(2) प्रिय वाक्य प्रदानेन जन्तव: तुष्यन्ति।

(3) पंचमी विभक्ति, एकवचनम्।

पद्यांश (3) गुणा: गुणज्ञेषु गुणा: भवन्ति,

ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषा:।

आस्वाद्यतोया: प्रवहन्ति नद्य:,

समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेया:।।

प्रश्ना:- (1) आस्वाद्यतोया: जलं कुत्र प्रवहति?

(2) जलं भवन्त्यपेया: कुत्र भवति?

3. गुणज्ञेषु इति पदे क: धातु वचनम्?

आदर्श उत्तरम्- 1. आस्वाद्यतोय: जलं नद्याम् प्रवहति।

2. समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेया:।

3. सप्तमी विभक्ति, बहुवचनम्।

www.sdpfe.com 7247690153

पद्यांश (4) पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः,

स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः।

नादन्ति सस्यं खलु वारिवाहाः,

परोपकाराय सतां विभूतयः।।

प्रश्नाः- 1. कः स्वयमेव जलं न पिबन्ति?

2. किम् स्वयं न खादन्ति?

3. के परोपकाराय कार्यं कुर्वन्ति?

आदर्श उत्तरम्- 1. नद्यः स्वमेव जलं न पिबन्ति।

2. वृक्षाः फलानि स्वयं न खादन्ति।

3. सतां विभूतयः परोपकाराय कार्य कुर्वन्ति।

इकाई-18

अधोलिखितेषु नाट्यांशम् अधिकृत्य प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत् -

गद्यांश (1) मल्लिका- भोः! अत्र पूजनं न भविष्यति। अहं स्वसथखीभिः सह श्वः प्रातः काशी विश्वनाथ मन्दिरं गमिष्यामि, तत्र गङ्गा स्नानं धर्मयात्राञ्च वयं करष्यामः।

चन्दनः- सखिभिः सह। ल मया सह ?

मल्लिका- आम् ! चम्पा, गौरी, माया, मोहिनी कपिलाद्या! सर्वाः गच्छन्ति। अतः मया सह तवागामनस्य औचित्यं नास्ति। वयं सप्तहान्ते प्रत्या गमिष्यामः। तावत् गृहं-व्यवस्थां धेनोः दुग्धदोहन व्यवश्याञ्च परिपालय।

प्रश्नाः-

1. मल्लिका पूजार्थं सखीभिः सह कुत्र गच्छति स्म?

2. किम् दुग्धदोहनम् परिपालय?

3. वयम् कदा प्रत्यागमिष्यामः?

आदर्श उत्तरम्- 1. विश्वनाथ मन्दिरे सखीभिः सह गच्छति स्म।

2. धेनोः दुग्धदोहनम् परिपालय।

3. वयम् सप्ताहान्ते प्रत्यागमिष्यामः।

गद्यांश (2) भ्रान्तः कश्चन् बालः पाठशालागमन वेलायां क्रीडितुम अगच्छत्। किन्तु तेन सह केलिभिः कालं क्षेप्तुं तदा कोऽपि न वयस्येषु उपलभ्यमान आसीत्। यतः ते सर्वेऽपि पूर्वदिन पादान् स्मृत्वा विद्यालयगमनाय त्वरमाणाः अभवन् तन्द्रालुः बालः लज्जया तेषां दृष्टिपथमपि परिहरन् एकांकी किमपिं उद्यानं प्राविशत्।

www.sdlpre.com 7247690153

प्रश्नाः- 1. कः तन्द्रालु भवति?

2. बाल! कदा क्रीडितुम् अगच्छत्?

3. बालस्य मित्राणि किमर्थम् त्वरमाणाः अभवन्?

आदर्श उत्तरम्- 1. बालः तन्द्रालु भवति।

2. बालः पाठशाला गमन वेलायां क्रीडितुम अगच्छत्।

3. बालस्य मित्राणि पूर्वदिन पठान् स्मृत्वा विद्यालय गमनाय त्वरमाणा! अभवन्।

गद्यांश (3) भो नरोत्तम! नाऽहं जाने यत् कोऽस्ति भवान्! भवद्भिः उन्मीलितं मे। नयनयुगलम्। तपोमात्रेण विद्यामवाप्तुं प्रयतमाणः अहमपि सिकताभिरेव सेतुनिर्माणं प्रयासं करोमि। तदिदानिम् विद्याध्ययनाय गुरुकुलवित गच्छामि।

प्रश्नाः- 1. अन्ति तपोदत्तः विद्याग्रहणाय कुत्र गतः?

2. तपोमात्रेण विद्यां प्राप्तुं तस्य प्रयासः कीदृशः?

3. 'ग्रहणाय' इति पदे कः विभक्ति?

आदर्श उत्तरम्-

1. अन्ते तपोदत्तः विद्याग्रहणाय गुरुकुलमेव गतः।

2. तपोमात्रेण विद्यां प्राप्तुं तस्य प्रयासः सिकताभिरेव सेतु निर्माणंवत् अस्ति-

3. चतुर्थी विभक्ति, एक वचनम् ।

गद्यांश (4) तपोदत्त बाल्ये पितृ चरणैः क्लेशयमानोऽपि विद्यां नाऽधीतवानस्मि तस्मात् सर्वैः कुटुम्बभिः मित्रैः ज्ञातिजनैश्च वार्हितोऽभवम्। ऊर्ध्वं निःश्वस्य हा विद्ये! किम् इदं मया कृतम्य कीदृशी दुर्बुद्धि! आसीत् तदा एतदपि न चिन्तितं यत्।

भवतु किम् एतेन। दिवसे मार्गभ्रान्तः सन्ध्यां यावद् यदि गुहमुपैति तदपि वरम्।

नाऽसौ भ्रान्तो मन्यते। अतोऽहम इदानीं तपश्चर्यया विद्यामवाप्तुं प्रवृत्तोऽस्मि।

प्रश्नाः- 1. कः क्लेशमानोऽपि विद्यां न अधीतवान्?

2. कः मार्गभ्रान्तो न मन्यते?

3. कुटुम्बभिः इति पदे कः विभक्ति वर्तते?

आदर्श उत्तरम्-

1. तपोदत्तः क्लेशयमानेऽपि विद्यां न अधीतवान्।

2. दिवसे मार्गभ्रान्तः सन्ध्यां यावद् यदि गृहमुपैति नाऽसौ भ्रान्तो मन्यतो

3. तृतीया विभक्ति

www.sdlpre.com 7247690153

www.sdlpre.com 7247690153

गद्यांश (5) पुरा कस्मिश्चिद् ग्रामे एका निर्धना वृद्धा स्त्री न्यवसत् तस्याश्चैका दुहिता विनम्रामनोहरा चासीत् । एकदा माता स्याल्यां तण्डुलान्निक्षिप्य पुत्रीमादिदेश-सूर्यातपे तण्डुलान् खगेभ्यो रक्षा। किञ्चित्कालादनन्तरम् एको विचित्रः काकः समुड्डीय तामुपाजगाम।

प्रश्नाः- 1. वृद्धा स्त्री कीदृशा आसीत् ?

2. वृद्धायाः दुहिता की दृशीं आसीत् ?

3. पुत्रीं माता किम् आदिदेश?

4. किञ्चितकालानन्तरम् किम् अभवत् ?

5. वृद्धाः स्त्री कुत्रः न्यवसत् ?

6. अस्मिन् अनुच्छेदे 'धनवती' इतिपदस्य कः विपर्ययः अस्ति?

7. 'दुहिता विनम्रा' अनयोः पदयो विशेषणं पदं किम् ?

आदर्श उत्तरम्-

1. निर्धना, 2. विनम्रा, 3. 'सूर्यतापे तण्डुलान् खगेभ्यो रक्ष, 4. एको विचित्रः काकः समुड्डीय ताम् उपाजगाम, 5. एका ग्रामे, 6. निर्धनां, 7. विनम्रा।

इकाई-19

पाठगत रिक्त स्थानानानि पूरयत् -

1. वृत्तं..................संरक्षेत्।
2. तपोदत्तः..............विद्याप्राप्तवान्।
3. कुम्भकारः...........रचयति।
4. मृदु गाय गीतिं..........लीनाम्।
5. मल्लिका पूजार्थम्...........सह पुत्रगच्छति?
6. एका निर्धना............स्त्री न्यवसत्।
7. तस्य उद्याने..........आसीत्।
8. प्रिय वाक्य............सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
9. हिमवान् नाम..........नगेन्द्रः।
10. गुणः गुणज्ञेषु..........भवन्ति।

आदर्श उत्तरम्-

1. यत्नेन, 2. तपश्चर्यया, 3. घटं, 4. ललित, 5. विश्वनाथ मन्दिरे, 6. वृद्धा, 7. कल्पतरुवृक्षः, 8. प्रदानेन, 9. सर्वरत्नभूमिः, 10. गुणाः

इकाई-20

स्व पाठ्य पुस्तकस्य सूक्तिमौक्तिकम् पाठात् सुभाषितद्वयं श्लोक लेखन् करणीयाः।

सुभाषित (1) वृत्तं यत्नेन संरक्षेत् , वित्तमेति च याति च।

अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः।. - मनुस्मृतिः

हिन्दी अर्थ- हमें अपने आचरण की यत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि धन तो आता-जाता रहता है। धन के नष्ट होने पर मनुष्य नष्ट नहीं होता है। परन्तु चरित्र से हीन तो पूरी तरह नष्ट हो जाता है।

सुभाषित (2) श्रूयतां धर्मसर्वस्वं श्रुत्वा चैवावधार्यताम् ।

आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत् ।। विदुरनीतिः

हिन्दी अर्थ - धर्म का सार सुनो और सुनकर उसका पालन करो। जो अपने लिए उचित न हो, ऐसा आचरण दूसरों के प्रति नहीं करना चाहिए।

सुभाषित (3) पिबन्दित नद्यः स्वयमेव नाम्भः, स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः।

नादन्ति सस्यं खलु वारिवाहाः, परोपकाराय सतां विभूतयः।।

- सुभाषित रत्न भाण्डागारम्

हिन्दी अर्थ- नदियाँ स्वयं अपना जल नहीं पीती है, वृक्ष स्वयं अपने फल नहीं खाते हैं। बादल स्वयं अन्न नहीं खाते। उसी प्रकार सज्जनों की धन-सम्पत्ति केवल दूसरों के उपकार के लिए होती है।

सुभाषित (4) गुणेष्वेव कि कर्तव्यः प्रयत्नः पुरुषैः सदा।

गुणयुक्तो दरिद्रोऽपि नैश्वरैरगुणैः समः।. - मृच्छकटिकम्

हिन्दी अर्थ- मनुष्य को सदा गुणों को प्राप्त करने की कोशिश करना चाहिए। गुणवान निर्धन होते हुए भी धन सम्पन्न होता है, क्योंकि गुण महत्वपूर्ण है, धन नहीं।

सुभाषित (5) गुणाः गुणज्ञेषु गुणाः भवन्ति, ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः।

आस्वाद्यंतोयाः प्रवहन्ति नद्यः, समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः।। - हितोपदेशः

हिन्दी अर्थ- गुणवान लोगों में रहने के कारण ही गुणों को सगुण कहा जाता है। गुणहीन को प्राप्त करके वे दोष बन जाते हैं। जिस प्रकार नदियाँ पाने योग्य जल की बहाती है, किन्तु समुद्र को प्राप्त करके वे पीने योग्य नहीं रह जाती है। पीने योग्य जल वाली नदियाँ का जल भी खतरा बन जाता है।

इकाई-21

अधोलिखितेषु आधारिकृत्य एकं पत्रलेखनम् कुरूत-

1. रुग्णतायाः कारणात् अवकाश प्राप्तये प्रधानाचार्यं प्रति पत्रम्-।

2. मित्राय स्वाध्ययनस्य पत्रम्।

www.sdlpre.com 7247690153

3. स्वभगिन्याः विवाहे आमन्त्रयितुं स्व मित्रं प्रति पत्रम्।

4. पुस्तकानि प्रेषयितुं प्रकाशकं प्रति पत्रम्।

5. पितरौ प्रति परीक्षायाः परिणाम सूचकं पत्रम्।

आदर्श उत्तरः-

(1) अवकाशार्थं प्रार्थनापत्रम्

(अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र)

सेवायाम्
माननीयः प्राचार्यमहोदयः,
शासकीय उच्चतर-माध्यमिक विद्यालयः,
इन्दौरनगरम्, मध्यप्रदेशः

विषयः- अवकाशार्थं प्रार्थनापत्रम्

महोदय,

सविनयं निवेदनम् अस्ति यद् अहम् अद्य सहसा ज्वरपीड़ितो अस्मि। अतः विद्यालयम् आगन्तुम् असमर्थो अस्मि। कृपया अद्यतः मम पञ्चदिवसानां अवकाशं स्वीकुर्वन्तु।

भवदीया शिष्या
भारती शर्मा
कक्षा- दशमी 'अ' वर्गः

दिनाङ्कः-07/12/20...

(2) मित्राय स्वाध्ययनस्य वर्णयन् पत्रम्

(मित्र को अपने अध्ययन के विषय में पत्र)

17, कालानी नगरम्
इन्दौर, मध्य प्रदेशः
दिनाङ्क 04-03-20....

प्रिय विनोद !

सादरं नमः।

अधुना अस्माकं शिक्षणं नियमेन आरब्ध । अहं प्रतिदिनं प्रातः पञ्चवादनसमये उत्थाय सप्तवादनसमयपर्यन्तं स्वाध्यायं करोमि। संस्कृतविषये अहं कक्षायां प्रथमः अस्मि। अन्येषु विषयेषु अपि मम स्थितः उत्तमा अस्ति।

तवशुभाकांक्षी
कैलाश जैन

www.sdlpre.com 7247690153

(3) स्वभगिन्याः विवाहे आमंत्रयितुं स्वमित्रं प्रतिपत्रम्

13, वसन्त विहार कॉलोनी, धार नगरम्

दिनाङ्क 04-03-20....

प्रिय रंजन !

सप्रेम नमः।

मम भगिन्याः शोभायाः विवाहः अस्य मासस्य पञ्चम्यां तारिकायां भविष्यति । अहं त्वां सादरं आमन्त्रयामि । अतः भवान् सपरिवारः समागत्य विवाहोत्सवे भागं गृहणातु।

भवदीय मित्रम्

प्रेमप्रकाश जैन

(4) पुस्तकानि प्रेषयितुं प्रकाशकं प्रति पत्रम्।

सेवायाम्

श्रीमान् **प्रबन्धक महोदयः**

गुप्ता बुक इन्डस्ट्रीज (P) लिमिटेड

खजूरीबाजारः, इन्दौर

मान्यवर!

सविनयं **निवेदनम्** अस्ति यत् अहम् **नवम् कक्षायाः** छात्रः अस्मि। भवद्भिः सद्यः प्रकाशितानि **अधोलिखितानि** कानिचित् पुस्तकानि क्रेतुम् **इच्छामि।** कृपया भवता, तानि यथानिर्देशं मम संकेते **अचिरात्** प्रदेयशुल्क-पार्सल-द्वारेण **प्रेषणीयानि।**

(i) प्रायोगिक संस्कृत व्याकरण कक्षा नवीं।

(ii) शेमुषी (प्रथमः भागः)

धन्यवादाः **भवद्भ्यः**

भवदीयः **विश्वस्तः**

कृष्ण कुमार जैन

342, व्यंकटेशविहारः, इन्दौर

दिनांक : ....

www.sdlpre.com 7247690153

(5) पितरौ प्रति परीक्षाया: परिणाम सूचकं पत्रम्
(पिताजी को परीक्षा परिणाम सूचक पत्र)

342, व्यंकटेश नगर, इन्दौर नगरम्
दिनाङ्क 04-03-20....

पूज्य पितृ महोदया:

सादर चरण स्पर्श:

अधुना मम अध्ययनं नियमित: आरब्ध:। अहं प्रतिदिनं प्रात: पञ्चवादन समये उत्थाय सप्तवादन समय पर्यन्तं स्वाध्यायं करोमि। संस्कृत विषय: मम प्रिय विषय: अस्ति। अन्येषु विषयेषु अपि मम स्थिति: उत्तमा अस्ति। शेष शुभम् ।

भवदाज्ञाकारी पुत्र:
मनीष

इकाई-22

1. अधोलिखितं अपठित गद्यांशं सम्यक् पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।

गद्यांश (1) महाकवि: कालिदास: न केवलं संस्कृत साहित्ये, अपितु विश्वसाहित्यस्य श्रेष्ठ: कवि: अस्ति। जर्मनी देशवासिन: तु तं शेक्सपीयर इति कथयन्ति। एष: महान कवि: नाटककार: च आसीत्। कालिदास: सप्त रचनान्: अरचयत्। सौन्दर्य-वर्णने काव्य प्रतिभायां च महाकवि: कालिदास: अद्यापि अप्रतिम: वर्तते। भारतीय महाकविषुस: कविकुल गुरु: इति नाम्ना प्रसिद्धमस्ति।

प्रश्ना: -

(1) क: श्रेष्ठ: कवि: अस्ति?

(2) कालिदासस्य कति रचना: सन्ति?

(3) जर्मनीवासिन: कालिदासं किं कथयन्ति?

आदर्श उत्तरम्- (1) कालिदास: श्रेष्ठ: कवि: अस्ति।

(2) कालिदासस्य सप्त रचना: सन्ति।

(3) 'शेक्सपीयर' जर्मनीवासिज: कथयन्ति।

गद्यांश (2) डॉ. ए.पी.जी. अब्दुल कलाम महोदस्य जन्म तमिलनाडु प्रदेशस्य रामेश्वरनाम्नि नगरे मुस्लिम परिवारे अभवत्। अस्य पितु: नाम जैनुलाब्दीन: मातु: च नाम श्रीमती आशियम्मा आसीत्। बाल्यकाले डॉ. कलामस्य प्रारम्भिकी शिक्षा रामेश्वर नगरे एव अभवत्। छात्र जीवनादेव विज्ञानविषयस्य अध्ययने विशेषरुचि: आसीत्। अस्य महोदयस्य त्रिशूल ब्रह्मोस-पृथ्वी-नाग-आकाश-अग्नि-इत्यादीनां प्रक्षेपास्त्राणां निर्माणे महती भूमिका अस्ति यस्मात् कारणात् भारतदेश: विज्ञान सम्पन्न राष्ट्रम् अजायत्।

www.sdipre.com 7247690153

प्रश्ना:- (1) अब्दुल कलामस्य पितुः नाम किम् आसीत्?

(2) डॉ. कलाम महोदस्य जन्म कुत्र अभवत्?

(3) डॉ. कलाम महोदस्य जन्म कस्मिन् परिवारे अभवत्?

(4) विज्ञान शक्ति सम्पन्न कः राष्ट्रम् अजायत्?

आदर्श उत्तरम्- (1) कलाम महोदयस्य पितुः नाम जैनुलाब्दीनः आसीत्।

(2) तमिलनाडु प्रदेशस्य रामेश्वर नाम्नि नगरे जन्म अभवत्।

(3) डॉ. कलाम महोदयस्य जन्म मुस्लिम परिवारे अभवत।

(4) भारत देशः विज्ञान-शक्ति-सम्पन्नः-राष्ट्रम् अजायत्।

गद्यांश (3) आदि गुरोः शङ्कराचार्यस्य जन्माः केरल प्रान्तेः कालडी नामक ग्रामे अभवत्। तस्य पिता तस्य जन्मनः पूर्वमेव मृतः। तस्य माता एव पुत्रस्य पालनं पोषणं अकरोत्। जन्मना 'एव सः प्रतिभा सम्पन्नः आसीत्। अतः स स्व कुलोचिताः समस्ताः विद्या सपदि एव अधीतवान्।

प्रश्नाः-

(1) आदि गुरोः शंङ्कराचार्यस्य जन्म स्थानं किम् वर्तते?

(2) शङ्कराचार्यस्य पितुः नाम किम् आसीत्?

(3) माता कस्य पालनं पोषणम् अकरोत्?

(4) कालडी नामक ग्राम कस्मिन् प्रान्ते आसीत्?

आदर्श उत्तरम्-

(1) आदि गुरोः शङ्करार्चायस्य जन्म कालडी नामक ग्रामे अभवत्।

(2) शङ्कराचार्यस्य पितुः नाम शिवगुरु आसीत्।

(3) माता पुत्रस्य पालनं-पोषणम् अकरोत्।

(4) कालडी नामक ग्रामः केरल प्रान्ते आसीत्।

गद्यांश (4) महर्षिः एकं सन्देशं दत्वा पुनः शिष्यं तत्र प्रेषितवान्। शिष्यः तत्र गत्वा अकथयत्- अस्माकं स्वामी कथयति यत् भवतः अमृतवर्षया बहुशक्तिः नष्टा पुनः अमृत वर्षायै शक्तिं प्राप्तुम् एतानि मधुराणि रसयुक्तानि फलानि स्वीकरोतु। एतत् श्रुत्वा सः यात्री लज्जितः भूत्वा धावित्वा च महर्षिः समीपम् आगत्य पादयोः पतित्वा अकथयत्- क्षमस्व महर्षे! क्षमस्व। अहम् अपराधी अस्मि। भवान् देवः! क्षमस्व 'इदं सर्वं दृष्ट्वा शिष्या च किताः आसन्-।

प्रश्नाः-

(1) कः लज्जितः अभवत्?

(2) के चकिताः आसन्?

(3) महर्षि! किं दत्वा पुनः शिष्यं तत्र प्रेषितवान्?

www.sdpre.com 7247690153

(4) शिष्यः तत्र गत्वा किं अकथयत्?

आदर्श उत्तरम्-

(1) सः यात्री लज्जितः अभवत्।

(2) इदं सर्वं दृष्ट्वा शिष्याः चकिताः आसन्।

(3) महर्षिः एकं सन्देशं दत्वा पुनः शिष्यं तत्र प्रेषितवान्।

(4) शिष्यः तत्र गत्वा अकथयत्-अस्माकं स्वामी कथयति यत् भवतः अमृतवर्षया बहुशक्तिः नष्टा।

इकाई 23

अधोलिखितं एकं विषयं आधारितकृत्य निबंध लेखनं कुरुत।

(1) संस्कृत भाषायाः महत्वम्

(2) पर्यावरणम्

(3) महाकविः कालिदासः

(4) अस्माकं देश!

(5) परोपकारः

(6) विद्या

(7) अनुशासनम् ।

(1)संस्कृतभाषायाः महत्वम्

(1) संस्कृतभाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा सर्वोत्तमसाहित्यसंयुक्ता चास्ति।

(2) संस्कृता परिशुद्धा व्याकरण सम्बन्धिदोषादिरहिता संस्कृभाषेति निगद्यते।

(3) सर्वे जनाः संस्कृतभाषया एव वदन्ति स्म।

(4) एषा एव अस्माकं पूर्वजानाम् आर्याणां सुलभा, शोभना, गरिमामयी च वाणी।

(5) संस्कृतभाषायामेव विश्वसाहित्यस्य सर्वप्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाः सन्ति।

(6) एषा भाषा राष्ट्रस्य ऐक्यं साधयति।

(7) जीवनस्य सर्वसंस्कारेषु संस्कृतस्य प्रयोगः भवति।

(8) अधुनाऽपि सङ्णकस्य कृते संस्कृतभाषा अति उपयुक्ता अस्ति।

(9) संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूताभाषा अस्ति।

(10) भारतीय गौरवस्य रक्षणाय एतस्याः प्रसारश्च सर्वैरेव कर्त्तव्यः।

(11) अत एव उच्यते- 'संस्कृतिः सस्कृताश्रिता।'

(12) "भाषासु मधुरा मुख्या श्रेष्ठा गीर्वाण भारती" इतिसूक्तिः अस्ति।

(13) संस्कृतभाषा देवानां वाणी अस्ति।

(14) संस्कृतस्य साहित्यं ग्रीक-लेटिनादि-भाषापेक्षया समधिकम्।

www.sdlpre.com 7247690153

(15) मैक्समूलर महोदय: संस्कृत भाषाया: महत्वं विषये इत्यं उक्तम्- "Sanskrit is the greatest language in the world, the most wonderful and the most perfect."

(2) पर्यावरण संरक्षणम्

(1) प्रकृति: सर्वेषाम् प्राणिनां संरक्षणाय यतते।
(2) परिष्कृतं प्रदूषणरहितं च पर्यावरणम् मानवेभ्य: सर्वसुखं प्रददाति।
(3) जलप्लावनै: अग्निभयै:, भूकम्पै: वात्याचक्रै: च सन्तप्तस्य मानवस्य न मङ्गलम्।
(4) अतएव अस्माभि: सर्वप्रकारेण प्रकृति: रक्षणीया।
(5) स्वार्थान्ध: मानव: पर्यावरणं नाशयति।
(6) वृक्षकर्तनात् शुद्धवायु: सङ्कटापन्नो जात:।
(7) दूषित पर्यावरणे विविधा: रोगा: भीषणसमस्या: च जायन्ते।
(8) प्रकृतिरक्षया एव लोकरक्षा सम्भवति इति न संशय:।
(9) पर्यावरण संरक्षणाय प्रयत्न: कर्त्तव्य:।
(8) पर्यावरण संरक्षम् विना अस्माकं भविष्य: न सुरक्षित:।

(3) महाकवि: कालिदास:

(1) कालिदास: संस्कृत भाषाया: श्रेष्ठतम: कवि: अस्ति।
(2) स: नाट्यकार: महाकाव्य प्रणेता गीतिकाव्यकर्त्ता च आसीत्।
(3) स: विक्रमादित्यस्य नवरत्नेषु एकं रत्नम् आसीत्।
(4) कालिदास: उज्जयिन्याम् अभवत्।
(5) प्रारम्भिक काले कालिदास: जड़बुद्धि: आसीत्।
(6) विद्योत्तमा तस्य पत्नी आसीत्।
(7) कालिदासस्य त्रीणि नाटकानि सन्ति-
(अ) मालविकाग्निमित्रम्, (ब) विक्रमोर्वशीयम्, (स) अभिज्ञान शाकुन्तलम् च।
(8) 'अभिज्ञान शाकुन्तलं' तस्य विश्वविख्यात नाट्यकृति: अस्ति।
(9) 'रघुवंशम्' 'कुमारसम्भवम्' च तस्य महाकाव्य कृती स्त:।
(10) 'मेघदूतम्', 'ऋतु संहारम्' च तस्य गीतिकाव्य कृती स्त:।
(11) कालिदासस्य प्रकृति चित्रणं अतीव रम्यम् अस्ति।
(12) तस्य प्रसादगुणयुक्ता ललिता शैली अस्ति।
(13) 'उपमा कालिदासस्य' इति सूक्ति: प्रसिद्ध: अस्ति।
(14) कालिदास: प्रेमश्रङ्गारयो: विश्वविख्यात कवि: मन्यते।
(15) कालिदास: कविकुल शिरोमणि: बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न: च महान् कवि: नाट्यकार: च आसीत्।

www.solpre.com 7247690153

(4) अस्माकं भारतदेशः

(1) अस्माकं देशः भारतवर्षः अस्ति।
(2) अयं 'हिन्दुस्तान' 'इण्डिया' अपि कथ्यते।
(3) अस्य उत्तरदिशि नगाधिराजः हिमालयः तिष्ठति।
(4) दक्षिणदिशायां हिन्द महासागरः भारतमातुः चरणान् प्रक्षालयति।
(5) पूर्वदिशि बङ्गलादेशः पश्चिम दिशि च पाकिस्तान देशौ स्तः।
(6) अस्माकं देशः कृषिप्रधानः अस्ति।
(7) कृषिः अत्र प्रमुख व्यवसायः अस्ति।
(8) ज्ञान-पराक्रम-धनसमृद्धि-विषयेषु भारतं विश्वे अद्वितीयम् आसीत्।
(9) स्व-चरित्रं शिक्षणाय पृथिव्याः सर्वे मानवाः भारतं आगच्छन्।
(10) अस्मासु विघटनं दृष्ट्वा परकीयाः अत्र आगच्छन्।
(11) ते भारतस्य धनानि विलुण्ठ्य स्वदेशेषु अनयन्।
(12) अद्यापि वयं पुनः भारतस्य प्राचीन गौरवं प्राप्तुं प्रयतामहे।
(13) अस्माकं वैज्ञानिकाः राजनेताः समाज सुधारकाः ऋषीगणाः भारतस्य उन्नत्यै अहर्निशं प्रयत्नशीलाः सन्ति।
(14) निकटभविष्ये भारतः पुनः जगदगुरोः पदं प्रापस्यति।
(15) विजयी भव अस्माकं भारत देशः।

(5) परोपकारः

(1) परेषाम् उपकारः परोपकारः कथ्यते। (2) अन्यस्य जनस्य हिताय यत् कार्यं चिंतनं वा क्रियते तदेव परोपकारः। (3) यः परमार्थ चिन्तयति सः एव प्रशस्यः। (4) पारस्परिक सहयोगेनैव सामाजिक जीवनं सुष्ठरूपेण प्रचलति। (5) परोपकारेण सहयोग-भावना सम्बद्धते। (6) सज्जनाः मनसा-वाचा-कर्मणा च परोपकारं कुर्वन्ति। (7) महामानवाः सर्वान् मानवान् स्वकुटुम्बिनो मत्वा तेषां समुन्नत्यर्थ सततं प्रयासं कुर्वन्ति। (8) महर्षि वेद व्यासेन उक्तुम- "अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्। परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्।" (9) परोपकारस्य भावना अन्यान् बहुन गुणान् जनयति। (10) परोपकारिणः परेषां उपकारं कृत्वा सन्तोषम् अनुभवन्ति। (12) सन्तोष एवं सुखस्य प्रधान कारणम् अस्ति। (12) भूतले सज्जनानाम् आगमनम् परोपकाराय एव भवति। (13) परोपकारः वृत्तिः संवर्द्धनीया भवतु। (14) प्रकृतिः निरन्तरं पर कल्याणरता वर्तते। (15) परोपकारः व्यावहारिकः धर्मः मन्यते।

(7) विद्या

(1) विद्या शब्दस्य अर्थः ज्ञानम् अस्ति।
(2) विद्या मानवस्य श्रेष्ठं गुप्तं धनं अस्ति।

www.sdlpre.com 7247690153

(3) विद्या वास्तविकं सौन्दर्यम् वर्तते।
(4) विदेशेषु विद्या धनं इव भवति।
(5) विद्या धनं सर्वधन प्रधानं भवति।
(6) विद्याबलं विशिष्ट बलं भवति।
(7) विद्या विनयं प्रदाति।
(8) विद्या गुरूणां गुरू:।
(9) विद्याविहीन: पशुतुल्य: भवति।
(10) विद्या कल्पलतां इव भवति।
(11) विद्या विना जन: न शोभते।
(12) विदवान सर्वत्र पूज्यते।
(13) विद्यावान् देवतुल्य: पूज्यते।
(14) बाल्यकाले विसर्जन अवश्यं कर्त्तव्यम् ।
(15) अविद्या दु:खानां मूल कारणं भवति।

(6) अनुशासनम्

(1) समाजे नियमानां पालनं अनुशासनम् भवति।
(2) अनुशासनं बिना जीवनं पशुवत् भवति।
(3) जन: अनुशासनेन शोभते।
(4) विद्यार्थी अवस्थायां अनुशासनं महत्वपूर्ण भवति।
(5) सेनायाम् अनुशासनस्य अत्यधिकं महत्वम् भवति।
(6) अनुशासित छात्र: सर्वत्र समादरं प्राप्नोति।
(7) छात्रै: अनुशासनस्य सर्वदा पालनं कर्त्तव्यम् ।
(8) समाजे अपि अनुशासनं महत्वपूर्णम् भवति।
(9) प्रकृति ईश्वरस्य अनुशासने तिष्ठति।
(10) अनुशासनेन मानव: उन्नतिं प्राप्नोति।
(11) अनुशासनं विना किमपि कार्यं सफलं न भवति।
(12) अनुशासनं अस्मान् चरित्रवान करोति।
(13) स्वानु शासनं मानवस्य वैशिष्ट्यम् अस्ति।
(14) अनुशासनं उन्नते: प्रमुख कारणं मन्यते।
(15) अनुशासिता: नागरिका: राष्ट्रं उन्नयनं नयन्ति।

यद्यपि उत्तरमाला के निर्माण में पूरी सावधानी रखी गयी है परन्तु संशय की स्थिति में विषय शिक्षक से सम्पर्क करके निवारण कर लें।

www.sdlpre.com 7247690153

www.sdlpre.com 7247690153

आमुख

शालाओं के समय–समय पर विभागीय अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षण के दौरान यह देखा गया है कि छात्र–छात्राओं दो विषय में ज्ञान का स्तर संतोषजनक नहीं है

आगामी परीक्षा की तैयारी एवं श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम हेतु यह प्रश्न बैंक तैयार किया गया है। जिसके उपयोग से शिक्षक अपने समस्त छात्रों को बेहतर अंक प्राप्त करने एवं अगली कक्षा में जाने हेतु समर्थ बना सकेंगे।

इस **प्रश्न बैंक** को ब्लूप्रिन्ट के अनुसार उन महत्वपूर्ण पाठ्य वस्तुओं का समावेश कर तैयार किया गया है जो कि प्रभावी शिक्षण एवं छात्र–छात्राओं के सभी विषय में औसत दक्षता विकसित करने एवं परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु लाभकारी सिद्ध होगा।

यदि आपके स्कूल में एक से अधिक सेक्शन है तो विद्यार्थियों के ग्रेड के आधार पर सेक्शन में विद्यार्थियों का पुनर्वितरण कर दें। तथा एक ग्रेड के विद्यार्थियों को एक सेक्शन में रखें ताकि उन विद्यार्थियों को उनके स्तर के अनुरूप पढ़ाया जाये।

प्रदेश के समस्त हाई/हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्य एवं संबंधित शिक्षकों से अपेक्षा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इस प्रश्न बैंक से शाला के छात्र–छात्राओं को सभी विषय का नियमित अभ्यास करायेंगे ताकि प्रत्येक विद्यार्थी परीक्षा में सफल हो सके।

शिक्षकों से अपेक्षित कार्यवाही– डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थियों को आगामी 2 माह तक इस प्रश्न बैंक अनुसार अभ्यास कराएं। विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न को किस तरह लिखना है इसे समझाएं। विद्यार्थियों द्वारा की जा रही गलतीयों को सुधारे

कक्षा 9 से 12 के लिए हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम में उपलब्ध

www.sdlpre.com 7247690153

GBI® The Original Since 1956
NARESH GUPTA GROUP

Gupta Book Industries (P) Ltd.
623, M.G.Road Khajuri Bazar Indore
Tel : +91 731 2454921 -22 Fax : 2454922
Web : www.gbipl.com
Email : gphbooks@outlook.com

PRICE: ₹ 20.00